सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 62 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 7 अप्रैल, 2026

मूल्य ₹ 3/-

सुंदर वेश देखकर न केवल मूर्ख अपितु चतुर मनुष्य भी धोखा खा जाते हैं। सुंदर मोर को ही देख लो उसका वचन तो अमृत के समान है लेकिन आहार सांप का है। -गोस्वामी तुलसीदास

राजस्थान के खिलाफ मैच में खेलेंग... 7 | चुनावी राज्यों में प्रचार में शुरू... 3 | विस चुनाव-27 में सरकार बनाने... 2

असम का सियासी रण

आरोपों की आंधी में घिरे सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और परिवार

» तीन पासपोर्ट, गोल्ड वीजा और करोड़ों का खेल कांग्रेस के आरोपों की बौछार

» सीएम का पलटवार एफआईआर की चेतावनी लेकिन सबूतों की जंग जारी

» चुनावी मौसम में नैरेटिव वार सच सियासत और सनसनी का टकराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम की सियासत इस वक्त सिर्फ चुनावी भाषणों तक सीमित नहीं है। यहां शब्द अब हथियार बन चुके हैं और हर आरोप एक बम की तरह फट रहा है। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने जो पत्ते खोले हैं उन्होंने राज्य की राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूचाल ला दिया है।

एक तरफ सत्ता में बैठी भाजपा और उसके मजबूत नेता हिमंत बिस्वा सरमा हैं जो खुद को विकास और निर्णायक नेतृत्व का चेहरा बताते हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस के नेता गौरव गोगोई और पवन खेड़ा हैं। जिन्होंने सीधे सत्ता के केंद्र पर निशाना साधते हुए गंभीर आरोपों की झड़ी लगा दी है। यह लड़ाई अब सिर्फ वोटों की नहीं रही बल्कि यह विश्वास बनाम आरोपों की लड़ाई बन चुकी है।

तीन पासपोर्ट और गोल्ड वीजा सवालों का तूफान

कांग्रेस का सबसे बड़ा और सनसनीखेज आरोप यही है कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास एक नहीं बल्कि कई देशों से जुड़े दस्तावेज हैं। जिसमें दुबई का गोल्ड वीजा और दो अन्य देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया गया है। गौरव गोगई और पवन खेड़ा ने इसे कानूनी रूप से असंभव बताते हुए सवाल उठाया कि क्या एक भारतीय नागरिक एक साथ कई देशों की नागरिकता या पासपोर्ट रख सकता है? यह सवाल सीधा है लेकिन इसका जवाब उतना ही पेचीदा क्योंकि अगर आरोप सही साबित होते हैं तो मामला सिर्फ राजनीति का नही कानून का भी बन सकता है।

तंज बना राजनीतिक हथियार बंटी और बबली

सबसे दिलचस्प और विवादास्पद पहलू रहा कांग्रेस का यह तंज जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी को बंटी और बबली कहकर संबोधित किया। यह सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक पूरा नैरेटिव सेट करने की कोशिश है जिसमें सत्ता को चालाकी और भागने की तैयारी के रूप में पेश किया जा रहा है। कांग्रेस के इस आरोप पर सीएम हिमंत बिसवा की ओर से एफआईआर कराने का पलटवार किया गया है। आरोपों के बीच सीएम ने चुप्पी नहीं साधी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह सब झूठ और बदनाम करने की साजिश है और वे आरोप लगाने वालों पर एफआईआर दर्ज कराएंगे। सीएम हिमंत बिस्वा के जवाब के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आरोपों में और ज्यादा धार आ गयी और उन्होंने सीएम को चुनौती देते हुए कहा कि एफआईआर दर्ज कराने में 48 घंटे का इंतजार मत कीजिए फौरन एफआईआर दर्ज करावाइये।

> चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने जो पत्ते खोले हैं उन्होंने राज्य की राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूचाल ला दिया है।

शेल कंपनियां और विदेशी ट्रांजैक्शन सियासत का काला पहलू

आरोप यहीं नहीं रुकते। कांग्रेस का दावा है कि मुख्यमंत्री और उनसे से जुड़े लोगों ने कई शेल कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का रास्ता खोला है। पवन खेड़ा ने बताया कि कंपनी के डायरेकटर के तौर पर तीन अलग-अलग नाम लिखे गये हैं जोकि सीएम के बेटे और उनकी पत्नी के हैं। कंपनी के जरिये अमेरिका में पैसे ट्रांसफर किए हैं। इस तरह के आरोप भारतीय राजनीति में नये नहीं है लेकिन हर बार जब यह सामने आता है तो जनता के मन में एक ही सवाल उठता है कि क्या सत्ता सिर्फ सेवा के लिए है या फिर संपत्ति बनाने का जरिया बन चुकी है।

चुनाव से पहले आखरी दांव

कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोप पासपोर्ट, गोल्ड वीजा, शेल कंपनियां निश्चित तौर पर सुर्खियां बना रहे हैं लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या ये आरोप जमीन पर वोट में तब्दील हो पाएंगे? हकीकत यह है कि असम की राजनीति लंबे समय से हिंदुत्व बनाम भ्रष्टाचार के दो ध्रुवों के बीच झूलती रही है। भाजपा ने अपनी पूरी ताकत पहचान, सुरक्षा और हिंदुत्व के नैरेटिव पर खड़ी की है जबकि कांग्रेस इस बार भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्र में लाने की कोशिश कर रही है। अभी तक के चुनावी ट्रेंड को देखे तो सामने आता है कि मतदाता बड़े आरोपों से नहीं अपने रोजमर्रा के मुद्दों से ज्यादा प्रभावित होता है। भाजपा का वोट बैंक काफी हद तक वैचारिक रूप से जुड़ा हुआ है। धार्मिक पहचान, घुसपैठ का मुद्दा, और मजबूत नेतृत्व यह ऐसे फैक्टर हैं जो आसानी से नहीं हिलते। वहीं कांग्रेस के आरोप अगर ठोस सबूतों के साथ लगातार जनता तक पहुंचते हैं तो यह नैतिक सवाल जरूर खड़ा कर सकते हैं लेकिन उसे वोट में बदलने के लिए जमीनी संगठन और भरोसा दोनों चाहिए। असम चुनाव में जमीनी मुद्दे असली खेल यहीं है। असम के मतदाता के लिए असली मुद्दे आज भी वही हैं। रोजगार की कमी युवाओं में असंतोष। गरीबी और महंगाई ग्रामीण इलाकों में असर। बाढ़ और हिंसा हर साल की चुनौती स्थानीय पहचान और सुरक्षा। अगर कांग्रेस इन मुद्दों को आरोपों के साथ जोड़कर पेश कर पाती है तभी उसका हमला असरदार होगा। वरना बड़े आरोप टीवी डिबेट तक सिमट सकते हैं।

विस चुनाव-27 में सरकार बनाने जा रही सपा : नसीमुद्दीन सिद्दीकी

» पूर्व कैबिनेट मंत्री बोले- अखिलेश यादव यूपी के अगले सीएम होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सरकार बनाने जा रही है। अखिलेश यादव उस सरकार के सीएम होंगे। चुनाव में बसपा की भूमिका पर सिद्दीकी ने कहा कि इस वक्त ना तो सपा की सरकार है और ना बसपा की।

सत्ता में भाजपा है तो सवाल भी उन्हीं से पूछें और जवाब भी उन्हीं को देना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मेरे घर में बुलडोजर चलवाना चाहते हो क्या? सवाल सत्ता पक्ष से होना चाहिए, हम तो विपक्षी हैं। ओपी राजभर किसी को भी कुछ कह सकते हैं लेकिन मेरे संस्कार ऐसे नहीं, जवाब मुझे भी देना आता है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी भारतीय सर्व धर्म एकता समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। यहां उनसे मीडिया के लोगों ने कहा कि ओपी राजभर आपको दगा कारतूस बोलते हैं। इस पर सिद्दीकी ने कहा कि राजभर को मैं बहुत पहले से जानता हूं। पहले वह बसपा में थे। वह किसी के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

आजम खान की जगह कोई नहीं ले सकता

आजम खान के बारे में सिद्दीकी ने कहा कि वह बड़े नेता हैं, उनका स्थान कोई नहीं ले सकता। बता दें कि नसरुद्दीन सिद्दीकी के बसपा सरकार में मंत्री रहने के दौरान उनका नाम एनआरएचएम घोटाले में आया था। इस सिलसिले में वह जेल में भी बंद रहे थे।

अब मैं सपा की विचारधारा के साथ

नसीमुद्दीन ने कहा कि वे अब पूरी तरह से समाजवादी विचारधारा के साथ हैं। सपा सभी जातियों को एक साथ लेकर चलती है। हमने ईद और होली मिलन समारोह एक साथ मनाया है। अभी तक हम लोग 52 जगहों पर इस तरह के आयोजन कर चुके हैं। आगे भी करते रहेंगे।

विकास कार्य न होने के विरोध में सपा विधायक रविदास ने दिया धरना

समाजवादी पार्टी (सपा) के मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविदास ने सोमवार को कार्यकर्ताओं के साथ नगर निगम मुख्यालय पर धरना दिया। उन्होंने नगर निगम पर जन समस्याओं की उपेक्षा और घटिया विकास कार्य करने का आरोप लगाया है। इस दौरान नगर निगम मुख्यालय में करीब एक घंटे तक गहमागहमी का माहौल रहा। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभ क्षेत्र में छत्ते वाला पुल के पास सड़क खराब है, 17 वार्डों में लगाए गए सबमर्सिबल खराब पड़े हैं, आठ वार्डों में स्ट्रीट लाइटें खराब हैं। नगर निगम की ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों में विधायक का नाम नहीं डाला जा रहा है। प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर नगर आयुक्त ललित कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने विधायक से ज्ञापन लेकर जन समस्याओं को दूर कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया।

उद्धव ठाकरे ही महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने का निर्णय लेंगे : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बारामती विधानसभा उपचुनाव से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुनेत्रा पवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महा विकास अघाड़ी को समर्थन देने का अंतिम निर्णय पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ही लेंगे। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में कई राजनीतिक दल हैं। सुनेत्रा पवार को शुभकामनाएं। महा विकास अघाड़ी के रूप में, हमारे पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ही उन्हें समर्थन देने का निर्णय लेंगे।

उद्धव ठाकरे और सुनेत्रा पवार ने इस बारे में चर्चा की है। चुनाव का समय आ गया है, है ना? प्रचार होगा, जांच-पड़ताल होगी और फिर मतदान प्रक्रिया पूरी होगी। संजय राउत ने बारामती सीट की एनसीपी से जुड़ी राजनीतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एनसीपी की सीट है और अजित पवार की पार्टी हमेशा से वहां चुनाव लड़ती रही है। अजित पवार खुद शरद पवार की तरफ से एनसीपी के उम्मीदवार थे। अब उनकी पत्नी चुनाव लड़ रही हैं और उनकी उद्धव ठाकरे से फोन पर बातचीत हुई है। हमारा उम्मीदवार वहां चुनाव नहीं लड़ रहा है। राउत ने यह भी स्पष्ट किया कि शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस उम्मीदवार को वापस लेने का अनुरोध नहीं करेगी और एमवीए गठबंधन में एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एमवीए में है। हम यह नहीं कहेंगे कि वे अपना उम्मीदवार वापस ले लें।

पंजाब विस-27 चुनाव से पहले बदले सियासी रंग

» नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई पार्टी बनाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में वर्ष 27 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में नया मोड़ देखने को मिल रहा है। बीते दिनों एच एस फुल्का ने आम आदमी पार्टी का दामन छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी के साथ आ गए। अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है।

पार्टी का नाम है- भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी, सिद्धू ने यह कदम कांग्रेस आलाकमान पर सीएम पद के बदले पैसे लेने के आरोपों के बाद उठाया है। चर्चा थी कि वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकती हैं। हालांकि सभी अटकलों और चर्चाओं पर विराम लगाते हुए सिद्धू ने नए राजनीतिक दल का ऐलान कर दिया। कौर 2012 में बीजेपी के टिकट पर अमृतसर पूर्व से चुनी गई थीं और उन्होंने मुख्य संसदीय सचिव (स्वास्थ्य) के तौर पर भी काम किया था। 17 के विधानसभा चुनावों से पहले, वह अपने पति के साथ कांग्रेस में शामिल हो गई थीं। कौर पंजाब कांग्रेस के प्रमुख वारिंग पर लगातार हमले कर रही थीं। उन पर राज्य इकाई को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा रही थीं और उन्हें अब तक का सबसे भयानक, अयोग्य और भ्रष्ट अध्यक्ष बता रही थीं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला किया था।

6 फरवरी को, पंजाब के प्रभारी कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल ने घोषणा की कि कौर को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। अब सवाल है कि चुनाव से पहले पार्टी बनाने का मकसद क्या है? सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपने एक बयान में कौर ने कहा कि मैं पंजाब को उसकी खोई हुई पुरानी शान एक स्वर्ण राज्य के रूप में वापस दिलाने की दिशा में आगे बढ़ाऊंगी। एक ऐसा राज्य जहाँ लोग केवल प्रेम, मिल-बांटकर रहने, न्याय, स्वतंत्रता के अधिकार और आजादी की शक्ति को जानें और जहां वे बिना किसी बाहरी दखल के, निस्वार्थ सेवा तथा आध्यात्मिक विकास के उद्देश्य से काम करते हुए अपने लक्ष्यों, मूल्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करें।

पाकिस्तान की धमकी पर केंद्र की चुप्पी समझ से परे : अभिषेक बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी पारा अपने चरम पर है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा कोलकाता को निशाना बनाने की धमकी का जिक्र करते हुए कहा कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है, तो वे दुश्मनों को उनके घर में घुसकर करारा जवाब देंगे।

उन्होंने कोलकाता को लेकर पाकिस्तान की हालिया धमकी पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर हमला बोला। सिलीगुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, टीएमसी के महासचिव ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की टिप्पणियों का जिक्र किया। आसिफ ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच भविष्य में होने वाली किसी भी लड़ाई में कोलकाता निशाना बन सकता है।बनर्जी ने कहा, दो दिन पहले, ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि वे कोलकाता को उड़ा देंगे। हमारे प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री चुप रहे। मैंने ख्वाजा आसिफ का

नाम अपनी लिस्ट में लिख लिया है। जिस दिन ममता बनर्जी और इंडिया गठबंधन सरकार बनाएंगे, हम उनके घरों में घुसकर उन्हें मारेंगे।अपनी आलोचना जारी रखते हुए बनर्जी ने कहा, वह पाकिस्तान में बैठकर कोलकाता पर हमले की धमकी दे रहा है, जबकि हमारे पीएम नरेंद्र मोदी कूच बिहार में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और लोगों से टीएमसी को हटाने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी आसिफ की धमकी पर कोई प्रतिक्रिया न देने के लिए निशाना बनाया। बनर्जी ने कहा, अमित शाह और राजनाथ सिंह चुप हैं। शाह रोज़ हमें

टीएमसी सांसद ने कहा इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी तो घर में घुसकर मारेंगे

बांग्लादेशी और पाकिस्तानी कहते हैं, लेकिन जब पाकिस्तान कोलकाता को धमकी देता है, तो वह मूक दर्शक बन जाते हैं।बनर्जी की यह प्रतिक्रिया सप्ताहांत में आसिफ द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के साथ भविष्य में होने वाला कोई भी संघर्ष सीमावर्ती इलाकों तक ही सीमित नहीं रहेगा।

सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने दावा किया कि यदि भारत ने कोईफ़ॉल्स फ़्लैग (झूठा बहाना बनाकर किया गया) ऑपरेशन करने की कोशिश की, तो पाकिस्तान इसे कोलकाता तक ले जाएगा।आसिफ ने बिना कोई सबूत दिए यह भी संकेत दिया कि भारत अपने ही लोगों या अपनी हिरासत में मौजूद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके ऐसा ऑपरेशन कर सकता है। उन्होंने अपनी भाषा को और भी तीखा करते हुए कहा कि संघर्ष का अगला दौर एक सीमित भौगोलिक क्षेत्र से आगे तक फैलेगा। उन्होंने कहा,इस बार, संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। हम उनके इलाके में घुसेंगे और उनके अपने घरों के अंदर उन पर हमला करेंगे।

जिंदगी का सबसे कठिन चुनाव : सुनेत्रा पवार

» बारामती सीट पर बढ़ी चुनावी हलचल, खरगे से की मदद की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की प्रमुख पवार भाजपा के साथ गठबंधन में उपचुनाव लड़ेंगी। नामांकन दाखिल करने के बाद, उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चुनाव निर्विरोध कराने के लिए मनाने की कोशिश कर रही हैं, जिसका मतलब यह था कि कांग्रेस उम्मीदवार आकाश विजयराव मोरे को अपना नामांकन वापस ले लेना चाहिए।

पवार ने कहा कि प्रफुल पटेल और मैं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि उनसे इस चुनाव को निर्विरोध कराने का अनुरोध कर सकें। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन चुनाव है; ऐसा समय किसी के साथ नहीं आना चाहिए। यह चुनाव सिर्फ मेरा नहीं है; यह बारामती के सभी लोगों का चुनाव है। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने उनकी अपील का समर्थन करते हुए बताया कि उन्होंने इस मामले में खर्गे के सहायक को संदेश भेजा था। पटेल ने कहा कि बारामती चुनावों के लिए हमने सभी दलों के नेताओं से बात करने की कोशिश की। मैं पिछले तीन दिनों से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बात करने की कोशिश कर रहा हूं। हमारी बात नहीं हो सकी, लेकिन मैंने उनका संदेश उनके निजी सहायक को भेज दिया है। मैं उनसे अपील करता हूं कि कांग्रेस पार्टी इन चुनावों का समर्थन करे। महाराष्ट्र के मंत्री अदिति सुनील तटकरे, छगन भुजबल और चंद्रशेखर बावनकुले ने भी बारामती में निर्विरोध उपचुनाव की मांग का समर्थन किया। तटकरे ने कहा कि उन्होंने बारामती उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। यह चुनाव अजित पवार के बाद हो रहा है। हमने उनके बिना बारामती चुनाव के बारे में कभी सोचा भी नहीं था। वह राज्य की उपमुख्यमंत्री हैं। सभी लोग इस चुनाव को निर्विरोध कराने का अनुरोध कर रहे हैं।

चुनावी राज्यों के प्रचार में शुरू हुए सियासी प्रहार

» भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी व एलडीएफ के आक्रामक दौरे
» मोदी, राहुल, खरगे, ममता व शाह ने मोर्चा संभाला
» तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम व केरल में तेवर चढ़े
» बंगाल में कई जगह त्रिकोणीय मुकाबला दिखेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावी प्रचार में तेजी आना शुरू हो गई है। अब नेताओं के भाषणों में मंदिर, मस्जिद, पाकिस्तान, अनपढ़ और न जाने क्या शब्द गढ़े जाने लगें है जिससे प्रचार आक्रामक मोड़ पर आने लगा है। केरल में खरगे, पडुडुचेरी में राहुल गांधी, बंगाल व असम में मोदी समेत सभी दलों के राज्य व केंद्रीस स्तर के नेता अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के चुनावी प्रचार जीजान से जुट गए है। जहां भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार जारी है वहीं टीमएमसी समेत सभी क्षेत्रीय दले भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

उधर पुडुचेरी चुनाव से पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मौजूदा सरकार पर दिल्ली से थोपी गई होने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, साथ ही युवाओं और महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी घोषणाएं कीं। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, पुडुचेरी में मतदान 9 अप्रैल को होना है और मतगणना 4 मई को होगी। पुडुचेरी की 30 सदस्यीय विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 15 जून को समाप्त हो रहा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने और पाकिस्तान से संबंध रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस पर असम में घुसपैठियों का समर्थन कर राज्य की पहचान को खतरे में डालने का दावा करते हुए भाजपा को सुरक्षा की गारंटी बताया।

असम में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर मोदी का हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान के विचारों से संबंध रखने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी दल के राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी रवैये की वजह से पाकिस्तान को बार-बार इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने दावा किया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पाकिस्तान के पक्ष में रुख अपनाया था। उन्होंने रक्षा और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में पार्टी के व्यापक रिकॉर्ड की आलोचना को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह के रुख ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को प्रोत्साहन दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कांग्रेस ने वही बातें दोहराईं जो पाकिस्तान फैला रहा था। कांग्रेस नेताओं का पाकिस्तान से यह संबंध हमेशा से रहा है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी असम में 9 अप्रैल को होने वाले 126 विधानसभा चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन जुटाने के लिए आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए

आई।मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी सरकार, साफ नीयत से जनता को बताती है कि हमने जनता की सेवा के लिए क्या किया। मोदी ने कहा कि 13 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब धान का एमएसपी मात्र 1,30 रुपए/क्विंटल था। आज धान का एमएसपी करीब 2,370 रुपए/क्विंटल है और असम की भाजपा सरकार अपनी तरफ से भी इसमें वृद्धि करती है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए विधानसभा में और संसद में महिलाओं की भूमिका हो, ये बहुत जरूरी है, इसलिए हमारी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय हुआ है। देश की बहन बेटियों ने 40 साल तक इसका इंतजार किया है। इसलिए जरूरी है 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं को ये हक मिले। इसके लिए कानून में संशोधन आवश्यक है। इसलिए 16 अप्रैल से सरकार ने संसद का एक विशेष सत्र बुलाया है। हमने देश की सभी पार्टियों से इसकी चर्चा की है। हमने सभी से कहा है कि आइए, देश की बहनों बेटियों के हक से जुड़े इस काम को सर्वसम्मति से आगे बढ़ाएं।

केंद्र शासित प्रदेश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही बीजेपी : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पुडुचेरी सरकार दिल्ली से थोपी गई है और यह क्षेत्र की जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। उन्होंने भाजपा पर पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में विफल रहने और केंद्र शासित प्रदेश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। लॉस्पेट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पुडुचेरी की सरकार पुडुचेरी की जनता की राय नहीं है, बल्कि दिल्ली से थोपी गई है। पूर्ण राज्य का दर्जा हमेशा से एक मुद्दा रहा है, जिसका वादा भाजपा ने किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। भाजपा चाहती है कि पुडुचेरी श्री अडानी के स्वामित्व में रहे। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कराईकल को पहले ही उन्हें बेचा जा चुका है।

पुडुचेरी सरकार कमीशन एजेंट बन गई है

उन्होंने प्रशासन पर व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि सब जानते हैं कि सभी ठेकों पर 30 प्रतिशत कमीशन लिया जाता है। सरकार कमीशन एजेंट बन गई है। शराब लाइसेंस का राज चल रहा है, जनता चाहे जितनी भी शिकायत करे, कुछ नहीं होता। वे जनता से तो चोरी करते ही हैं, साथ ही भगवान से भी चोरी करते हैं; कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। राहुल गांधी ने पुडुचेरी के लिए कई कल्याणकारी उपायों की घोषणा की, जिनमें बेरोजगार युवाओं के लिए 2000 रुपये की मासिक सहायता, कई हजार नए रोजगारों का सृजन, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, सरकारी नौकरी पात्रता के लिए आयु सीमा में वृद्धि और प्रत्येक परिवार के लिए लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा शामिल है।

टीएमसी की चिंता, मुस्लिम वोटों का विभाजन

टीएमसी के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हुमायूं कबीर अमीन और असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन करके मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में खींच सकते हैं। टीएमसी नेता कहते हैं हुमायूं चुनाव से पहले भावनात्मक मुद्दा बना रहे हैं, लेकिन लोग जानते हैं कि कठिन समय में कौन उनके साथ खड़ा था। विकास और कल्याण ही चुनाव तय करेगा। मुर्शिदाबाद, जहां लगभग 70 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है, टीएमसी का अल्पसंख्यक समर्थन का मजबूत आधार रहा है। 21 में राज्य की 85 मुस्लिम बहुल सीटों में से टीएमसी ने 75 जीत हासिल की थी। लेकिन अब एजीयूपी-एआईएमआईएम गठबंधन बाबरी मस्जिद मुद्दे को मुस्लिम मतदाताओं, खासकर युवा वर्ग में राजनीतिक आत्म-सम्मान के प्रतीक के रूप में बदलने की कोशिश कर रहा है।

रेगिनगर सीट इस प्रयोग का केंद्र है। यह पूरी तरह ग्रामीण क्षेत्र है, जहां लगभग 65 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। कबीर का दावा है यह केवल मस्जिद का मामला नहीं है, बल्कि आत्म-सम्मान और राजनीतिक गरिमा का मुद्दा है। बंगाल के मुसलमान अब अपनी आवाज चाहते हैं, केवल दिखावटी प्रतिनिधित्व नहीं। यदि मुस्लिम वोटों का एक हिस्सा टीएमसी से छ्ककी ओर चला गया, तो भरतपुर, बेलडांगा और रेगिनगर में चुनावी गणित बदल सकता है। भाजपा को उम्मीद है कि बाबरी मस्जिद मुद्दा अधिक प्रमुख होगा, तो हिंदू बहुल क्षेत्रों में वोट एकजुट होंगे। यह तीन सीटों का इलाका अब प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता% का प्रयोगशाला बन गया है। कबीर मुस्लिम पहचान को राजनीतिक पूंजी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भाजपा इसे हिंदू एकीकरण के लिए उपयोग कर रही है। टीएमसी दोनों के बीच फंसी हुई है।

कबीर की नई पार्टी का लॉन्चपैड

बंगाल में चुनावी लड़ाई हुई रोचक

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तीन विधानसभा क्षेत्र (भरतपुर, रेगिनगर और बेलडांगा) 26 के विधानसभा चुनाव का सबसे संवेदनशील और राजनीतिक रूप से गर्म क्षेत्र बन गए हैं। इसका कारण है रेगिनगर में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद जैसी मस्जिद का निर्माण, जिसने मतदाताओं की निष्ठा को बदलने, धार्मिक पहचान को सशक्त करने और अल्पसंख्यक वोटों को विभाजित करने की संभावनाओं को जन्म दिया है।

मुर्शिदाबाद का माहौल अब चुनावी केंद्र

इस मस्जिद की नींव दिसंबर 2025 में टीएमसी के निलंबित विधायक और अब अजयूप पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने रखी थी। यह कदम उनके टीएमसी से निष्कासन के बाद एक स्थानीय प्रतिरोध के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन अब यह मुर्शिदाबाद के चुनावी माहौल का भावनात्मक केंद्र बन चुका है। पहले ईद की नमाज में मार्च में यहां मुर्शिदाबाद, नदिया और उत्तर 24 परगना से भारी संख्या में लोग जुटे। हर रोज ईंट और सीमेंट के ट्रक आते हैं, दान पेटियां भरी रहती हैं और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहे हैं। निर्माणाधीन मस्जिद अब केवल इमारत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए राजनीतिक प्रतीक बन गई है। भाजपा इसे हिंदू वोट एकजुट करने के लिए राजनीतिक रूप से अमूल्य अवसर मान रही है। पार्टी नेताओं का कहना है बाबरी के नाम पर हर ईंट हिंदू मतदाताओं को जोड़ने में मदद कर रही है। लोग इसे सियासी अपीलमेंट के उदाहरण के रूप में देख रहे हैं।

केरल में राजनीतिक पारा चढ़ा, कांग्रेस व भाजपा में तकरार

केरल विधानसभा चुनाव (9 अप्रैल) से ठीक पहले राजनीतिक पारा अपने चरम पर पहुँच गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर दी गई एक टिप्पणी ने बड़े विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर चौतरफा हमला बोल दिया है। इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा- केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदी जी, विजयन जी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ़ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को बेवकूफ़ नहीं बना सकते। खरग के इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को आड़े हाथों लिया। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। हताशा का प्रतीक- उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी–गुजरात माफ़ नहीं करेगा।

खरगे का बयान उनकी हताशा नहीं कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है: संघवी

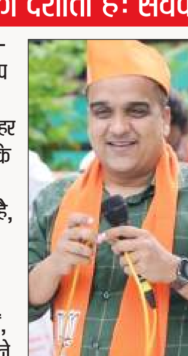

भाजपा नेता हर्ष संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खरगे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है, और ज़ोर देकर कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं, और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी; उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नक्सलवाद का खात्मा, व्यवस्था की अब बड़ी जिम्मेदारी

> "शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है। जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वत: ही बंद हो जाएगी।

भारत सरकार का दावा है कि नक्सलवाद काफी हद तक खत्म हो चुका है। कई लोगों से सरंडर कर दिया है। पर अब सवाल यह उठता है जो लोग मुख्य धारा में आ गए हैं क्या वह सरकारी व्यवस्था जिस तरह की होती है उससे खिन्न नहीं होंगे इसकी गारंटी कौन लेगा। हालांकि सरकार ने कहा है सब ठीक होगा। आपको बता दें काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 26 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 26 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की। नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। विकास के मोर्चे पर, सरकार को नियत नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं को और विस्तार देना चाहिए, जो अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने पर केंद्रित हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है। जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वत: ही बंद हो जाएगी।

कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है। साथ ही, वन अधिकारों (फोरेस्ट राइट एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि आदिवासियों को अपनी जमीन पर मालिकाना हक का अहसास हो और वे उग्रवाद के बहकावे में न आएं। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नकसल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। सरकार के इन दावों की पुष्टि जमीनी आंकड़ों से भी होती है। पिछले कुछ वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऑपरेशन कगार और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है। 25 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए। इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे। इसके साथ ही, हजारों की संख्या में कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अंतरिक्ष अनुसंधान में अमेरिका को चीन की चुनौती

प्रमोद जोशी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' इन दिनों अपने समानव चंद्र मिशन, आर्टेमिस-2 की तैयारी कर रही है, और अगले कुछ दिनों में किसी भी दिन इसका प्रक्षेपण हो जाएगा। इसमें चार यात्री जाएंगे, जो चंद्रमा का चक्कर लगाएंगे। उधर चीनी अंतरिक्ष एजेंसी (सीएनएसए) को उम्मीद है कि वह 2030 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतार देगी। चीन पहले ही कई रोबोट चंद्रमा पर भेज चुका है और चंद्र नमूने वापस ला चुका है। चीन इस साल अपने नए मेंगझोऊ (ड्रीम शिप) अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान आयोजित करने जा रहा है। यह अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्र कक्षा में ले जाएगा। संभव है कि चंद्रमा पर अमेरिकी यात्री पहले उतर जाए, पर इस बात के आसार बन रहे हैं कि स्पेस साइंस में अब अमेरिका के साथ चीन बराबरी के स्तर पर आने की होड़ में है।

अभी इसे बराबरी कहना आसान नहीं है, पर एक क्षेत्र ऐसा है, जिसमें वह अमेरिका के बराबर आ गया है या कुछ आगे निकल गया है। वह है स्पेस नेवीगेशन। चीन के 'बेइदू' ने अमेरिकी 'जीपीएस' को पीछे कर दिया है। इस बात को अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं। चीन को उम्मीद है कि वह 2035 तक चंद्रमा पर समानव वैज्ञानिक बेस का एक बुनियादी संस्करण तैयार कर लेगा, जिसे इंटरनेशनल ल्यूनर रिसर्च स्टेशन (आईएलआरएस) कहा जाएगा। यह बेस चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास बनाया जाएगा, जहां बर्फ के रूप में पानी मौजूद होने की संभावना है। इस परियोजना में रूस भी चीन के साथ है। दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन ने लगभग 20 अरब डॉलर की लागत से चंद्रमा पर एक बेस बनाने का कार्यक्रम शुरू किया है। इसके विपरीत, नासा का आर्टेमिस चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम लगातार पिछड़ रहा है। आर्टेमिस-2 समानव फ्लाई-बाय यान है, लैंडिंग क्राफ्ट नहीं। कई बार स्थगित होने के बाद अप्रैल, 2026 में इसका प्रक्षेपण तय है। पहली अमेरिकी मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग को आर्टेमिस-4 तक टाल दिया गया है, जो 2028 से पहले संभव नहीं।

चीन का कार्यक्रम, जो तीन दशकों से अधिक समय से एक एकीकृत योजना पर आधारित है, काफी हद तक उस राजनीतिक उथल-पुथल से अछूता रहा है, जो अमेरिका में चल रही है। चीन का समानव प्रोजेक्ट 921, सितंबर, 1992 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करना है। इस कार्यक्रम के तहत 2003 में चीनी अंतरिक्ष यात्री यांग लीवेई की पहली

उड़ान के बाद से लगभग 15 मानवयुक्त मिशन संचालित किए जा चुके हैं। वर्ष 2011 में अमेरिका ने अपने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में चीन को शामिल करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद चीन ने अपना स्टेशन बनाने का फैसला किया और वह बना लिया। तियांगोंग, 2021 से काम कर रहा है और इसमें इस समय तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री काम कर रहे हैं। चीन के किसी भी मानवयुक्त प्रक्षेपण में कोई मानवीय क्षति नहीं हुई है। चीन ने अपनी पंचवर्षीय योजनाओं के दो सत्रों में विमानन और अंतरिक्ष उद्योग को 'स्तंभ उद्योग' का दर्जा दिया है। पहले यह विषय उभरते हुए क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत था। पहली बार, 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-30) में स्पष्ट रूप से 2030 तक चीन को एक अंतरिक्ष शक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पांच वर्षीय योजना में पुनरोपयोगी प्रक्षेपण यानों, बड़े पैमाने पर उपग्रह समूहों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के व्यावसायीकरण को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें लागत में कमी को दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए केंद्रीय माना गया है। एक नया 'स्पेस+' दृष्टिकोण बताता है कि उपग्रह अवसंरचना को व्यापक औद्योगिक प्रणाली के हिस्से के रूप में माना जा रहा है, जिसमें केवल संचार के बजाय पृथ्वी की कक्षा के कंप्यूटिंग उपयोग को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है। इस लिहाज से यह साल अमेरिका और चीन दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। चीनी रॉकेट अमेरिकी स्पेसएक्स के फैल्कन 9 के प्रतिस्पर्धी हैं, लेकिन फैल्कन 9 का पहला चरण नियमित रूप से पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, और कुछ बूस्टर अब तक 30 बार तक उपयोग में लाए जा चुके हैं। इससे आंतरिक लागत डिस्पोजेबल रॉकेट की तुलना में कहीं कम हो जाती है। नेविगेशन के क्षेत्र में, चीन ने एक ऐसी प्रणाली विकसित की है, जो अमेरिका के जीपीएस के बराबर या उससे भी बेहतर है।

सैटेलाइट इंटरनेट के मामले में, यह स्टारलिंक से कई साल पीछे है, जबकि सबसे मुश्किल काम, हजारों सैटेलाइटों को किफायती लागत पर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में, वह पीछे है। नेविगेशन सैटेलाइट इतनी ऊंचाई पर होती हैं कि कुछ दर्जन सैटेलाइट ही पूरी दुनिया को कवर कर सकती हैं, जबकि इंटरनेट नेटवर्क को उपयोगी कवरेज प्रदान करने के लिए हजारों निचली कक्षा के सैटेलाइटों की आवश्यकता होती है। चीन के पास अभी इतनी बड़ी संख्या में उपग्रहों के प्रक्षेपण की क्षमता नहीं है।

भीतरी अदालत का न्याय संवारेगा जीवन

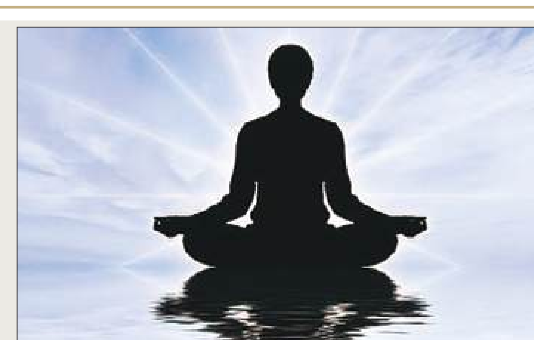

डॉ. मधुसूदन शर्मा

> वास्तव में जिसे हम सफलता मानते हैं वह बाहरी दुनिया का बहलावा मात्र है। जरूरी नहीं कि वह हमें सुख और मानसिक शांति भी दे। व्यक्ति जब भी कोई अन्याय या शोषण करता है तो उसका अंतर्मन उसे सचेत करता है।

आए दिन समाज में ऐसी खबरें आती हैं कि धनाढ्य और जीवन में सफल लोगों का व्यक्तिगत जीवन भी अशांत है। वे न केवल शारीरिक रूप से ही अस्वस्थ थे बल्कि मानसिक रूप से भी उतने ही अशांत होते हैं। जीवन में तमाम कामयाबियों व धन-दौलत जुटाने के बाद भी ऐसे लोगों को नींद नहीं आती। हमारी नींद का सीधा रिश्ता हमारे कार्यों की गुणवत्ता और जीवन की सहजता से होता है। मानवीय श्रम भी उसका एक बड़ा कारक है। धारणा बनने लगी है कि आज के गलाकाट स्पर्धा दौर में तुरंत सफलता व संपदा खालिस मेहनत-ईमानदारी से हासिल नहीं होती। एक व्यापारी को अपने मुनाफे के लिए दिन में सौ बार झूठ बोलना पड़ता है। रात को जब वह बिस्तर में सोने जाता है तो दिनभर के खटकर्म उसे सोने नहीं देते।

उसके अंतर्मन की अदालत उसके कृत्यों का हिसाब-किताब मांगती है। व्यक्ति चाहकर भी अपनी दौलत, शोहरत और सुख-सुविधाओं का सुख नहीं भोग पाता है। वास्तव में जिसे हम सफलता मानते हैं वह बाहरी दुनिया का बहलावा मात्र है। जरूरी नहीं कि वह हमें सुख और मानसिक शांति भी दे। व्यक्ति जब भी कोई अन्याय या शोषण करता है तो उसका अंतर्मन उसे सचेत करता है। उसे अहसास कराता है कि क्या सही है और क्या गलत है। मनुष्य की भीतरी चेतना उसे गलत के प्रति सचेत करती है। अच्छा इंसान व संत तो इसे सुनकर अपनी नीति व कार्यशैली का निर्धारण करता है, लेकिन संवेदना खो चुका व्यक्ति इसे नजरअंदाज कर देता है। सही मायनों में हर व्यक्ति के भीतर यह न्याय व्यवस्था निरंतर चलती रहती है। वैसे तो दुनियावी अदालतें भी न्याय देने का काम करती हैं। न्याय करने वाले गवाहों व सबूतों के साथ तर्क-वितर्कों का सहारा लेकर किसी नतीजे पर पहुंचते हैं। अक्सर वहां साक्ष्यों को अपनी सुविधा के अनुसार ढाला जाता है। हलफनामे भी संदिग्ध हो सकते हैं और दलीलें भी झूठी हो सकती हैं। इस प्रपंच में कई बार न्याय मृगमारीचिका बनकर रह जाता है। मगर हमारे भीतर चलने वाली मौन अदालत की प्रकृति इस बाहरी व्यवस्था से एकदम भिन्न होती है। हमारे कर्मों का लेखाजोखा हमारे चित्त के पटल पर अंकित हो जाता है।

बिना किसी हेरफेर के हमारे कर्मों की चार्जशीट तैयार हो जाती है। मन की अदालत के कटघरे में अभियुक्त भी हम ही होते हैं। हमारे अंतर्मन का विवेक एक चश्मदीद गवाह की तरह मन की अदालत में हमारे कृत्यों की गवाही देता है। न्याय करने के लिए हमारी चेतना न्यायमूर्ति के रूप में न्याय की कुर्सी पर विराजमान होती है। ऐसे में व्यक्ति की बहानेबाजी व चतुर चालाकियां धरी की धरी रह जाती हैं। कभी न कभी व्यक्ति को अपवित्र कृत्यों को लेकर अपराधबोध होता ही है।

भले ही मन की अदालत लौकिक दंड जैसी सजा न सुनाए मगर इसके अपराधबोध से व्यक्ति जीवनपर्यंत उबर नहीं पाता। उसे आत्मग्लनि का त्रास झेलना ही पड़ता है। यही कसक उसे रातभर चैन से नहीं सोने देती। हम अंतर्मन की अदालत में पाक साफ निकलें इसके लिये जरूरी है कि हमारा मन निर्मल हो। जैसे कि सही मायने में एक बच्चे और संत का निष्कपट व निर्मल मन होता है। जो ईर्ष्या, द्वेष, कटुता और चतुराई से मुक्त होता है। एक सच्चा साधक भी निर्मल मन से ईश्वर की साधना कर पाता है, जिसके लिए सदियों से साधु-संत पूजा-पाठ, सत्संग, स्वाध्याय, ध्यान व साधना आदि का सहारा लेते हैं। ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग निर्मल मन से होकर जाता है। इस निर्मलता का अहसास हमें हमारे तीर्थों व शक्तिपीठों में गहरे तक होता है। निर्मल मन का व्यक्ति वह होता है जो दुनियावी मोह-माया व चतुर-चालाकियों के प्रति निरपेक्ष रहकर दुनिया को साक्षी भाव से देखता है। यही निर्लिप्तता उसके अंतर्मन को निर्मल रखती है। योगशास्त्र में वर्णित यम-नियम का उपयोग इसी राह में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।

अष्टांग योग में वर्णित पांच यम-सत्य, अहिंसा अस्तेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह तथा पांच नियम-शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान जीवन की निर्मलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। व्यक्ति के अंत: करण की शुद्धि का कार्य करते हैं। सवाल उठता है कि दुनियावी दौड़भाग में लगे एक सामान्य आदमी के लिए अपने मन को बेदाग रखने का सरल मार्ग क्या हो सकता है? सही मायनों में सहजता और निश्छलता से जीना ही वह मार्ग है, जो हमें मन की अदालत में निर्दोष साबित कर सकता है। हम देश-काल परिस्थितियों में व मानवीय दुर्बलताओं के चलते पथ से भटक सकते हैं। लेकिन हम में अपराधों को स्वीकार करने का माद्दा होना चाहिए। इससे बचने की दलीलें हमारे मन को कलुषित कर सकती हैं। जिसके लिए हमें अपने दिन-भर के कृत्यों को लेकर आत्ममंथन करना भी जरूरी है। सही मायनों में मन की अदालत में हमारा पाक-साफ होना, हमारी आत्मा के परिष्कार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। वास्तव में बाहरी सफलता हमारी उपलब्धि नहीं होती। उपलब्धि यह है कि हमारी कारगुजारियों से हमें खुद शर्मिंदा न होना पड़े।

हर बीमारी के लिए अलग है मॉर्निंग ड्रिंक

जीरा और मेथी पानी

एक चम्मच जीरा रात में भिगो दें या उबालकर ठंडा करें। इस तरह तैयार ड्रिंक्स को पीने से पेट फूलने में राहत देता है। गैस और एसिडिटी में राहत देता है। डाइजेशन बेहतर रहता है। इसके अलावा एक चम्मच मेथी दाने रातभर भिगोकर सुबह पानी पिएं, दाने चबा सकते हैं। ब्लड शुगर कंट्रोल में मदद करता है। इंसुलिन सेंसिटिविटी सपोर्ट करता है। पाचन बेहतर बनाता है।

अलसी का पानी

एक चम्मच अलसी रात में पानी में भिगो दें, सुबह छानकर पिएं। हार्मोन बैलेंस करने में सहायक है। सूजन कम करने में भी मदद करता है। मेटाबॉलिज़्म को सपोर्ट करता है। ध्यान दें सोया या बहुत ज्यादा क्रूसिफेरस सब्ज़ियां खाली पेट न लें।

सुबह की शुरुआत अगर सही ड्रिंक से की जाए, तो पूरा दिन ऊर्जावान, पाचन दुरुस्त और संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहता है। हर स्वास्थ्य समस्या के लिए एक ही ड्रिंक काम नहीं करता। ये ड्रिंक्स सामान्य स्वास्थ्य सपोर्ट के लिए हैं। किसी बीमारी की दवा का विकल्प नहीं हैं। नियमित दवा लेते हों तो डॉक्टर से सलाह लें। हर स्वास्थ्य समस्या के लिए एक अलग, सही मॉर्निंग ड्रिंक आपकी दिनचर्या को बेहतर बना सकता है। नियमितता, संतुलित डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ ये ड्रिंक्स धीरे-धीरे असर दिखाते हैं। ये थायरॉयड, डायबिटीज, बालों की मरम्मत, स्किन ग्लो, ब्लोटिंग और लो आयरन के लिए बेस्ट मॉर्निंग ड्रिंक्स हैं।

चुकंदर और अनार जूस

यह जूस सुबह खाली पेट आधा कप पीएं और हफ्ते में 3-4 दिन सेवन करें। आयरन और फोलिक एसिड सपोर्ट करता है। हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करता है। थकान नहीं होने देता है। आयरन के साथ विटामिन सी नींबू या आंवला लेना फायदेमंद होता है। चुकंदर एंटीऑक्सिडेंट और पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो लिवर डिटॉक्सीफिकेशन के रूप में काम करता है और लिवर के कार्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। अनार एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो लिवर को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने और समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। इसको सुबह उठते ही ब्रश के बाद और नाश्ते से 20-30 मिनट पहले एक साथ कई ड्रिंक्स न मिलाएं। बहुत ज्यादा मात्रा न लें। लगातार पेट खराब हो तो बंद करें। प्रेग्नेंसी या दवा में डॉक्टर से पूछें।

नारियल पानी

8-10 करी पत्ते पीसकर नारियल पानी में मिलाएं। इससे बालों की जड़ों को पोषण मिलता है। प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट सपोर्ट मिलता है। समय से पहले सफेद बालों को काला करता है। स्किन ग्लो के लिए बेस्ट मॉर्निंग ड्रिंक है।

गुनगुना पानी नींबू और शहद

गुनगुने पानी में आधा नींबू और 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस ड्रिंक्स को पीने से डिटॉक्स सपोर्ट मिलता है। स्किन क्लियर और ग्लोइंग होती है। इम्युनिटी सिस्टम बूस्ट होता है। ऑयली स्किन वालों के लिए शहद स्किप कर सकते हैं। ब्लोटिंग और गैस में रामबाण है। पेट संबंधी समस्याओं को दूर रखने और पाचन को मजबूत बनाने में यह कॉम्बिनेशन बहुत लाभकारी है। यह पाचन और मेटाबॉलिज्म दोनों को ही बेहतर बनाता हैं। साथ ही पोषक तत्वों का अवशोषण भी बेहतर होता है। यह पेट में गैस, ब्लोटिंग, कब्ज, अपच, सूजन, छाले और पेट से जुड़ी कई अन्य समस्याओं के लिए रामबाण उपाय है। वजन घटाने या शरीर में जमा जिद्दी चर्बी को कम करने की, नींबू शहद और गर्म पानी का यह कॉम्बिनेशन दोनों में ही बहुत लाभकारी है।

हंसना मना है

बच्चा दादी के पास आया और बोला- दादी मां आप टें.. बोल कर दिखाओ, दादी- टें, बच्चा- फिर से बोलो टें, कितना बढिया बोलती हैं, आप मम्मी को क्यों नहीं सुना देतीं? दादी- क्या मतलब तेरी मम्मी को क्यों सुनाऊं? वह अपनीं सहेलियों से कह रही थीं, इसकी दादी पता नहीं कब टें बोलेंगी।

संता- इतनी देर से तुम क्या सोच रहे हो? बंता- जानते हो कल रात की आंधी में एक टी शर्ट मेरे घर आकर गिर गई। संता- तो इसमें क्या हुआ? बंता- सोच रहा हूं कि मैचिंग पैंट ले लूं या फिर एक और आंधी का इंतजार करूं।

पत्नी- जरा किचन से नमक लेते आना, पति- यहां तो कहीं नमक नहीं है, पत्नी- तुम तो हो ही कामचोर, एक काम ढंग से नहीं कर सकते, बस बहाने बनाते रहते हो... जिंदगी में कुछ तो काम करो। मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेगा, इसलिए पहले ही ले आई थी। अब कोई बताए इसमें पति की कहां गलती है।

संता- तेरे घर से हमेशा हंसने की आवाज आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? बंता- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और नहीं लगे तो मैं हंसता हूं।

कहानी | कुम्हार

एक गांव में युधिष्ठिर नाम का कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता था और जो भी पैसे मिलते थे, उनसे शराब खरीद कर पी लेता। एक रात वह शराब के नशे में ठीक से चल भी नही पा रहा था। और लड़खड़ाकर गिर पड़ा। जमीन पर कांच के टुकड़े पड़े थे, जो उसके माथे में घुस गया। और खून बहने लगा। वह किसी तरह अपने घर पहुंचा। अगले दिन जब उसे होश आया तो वह वैद्य के पास गया और पट्टी करवाकर दवाई ली। वैद्य ने कहा, घाव गहरा होने के कारण इसे भरने में समय लगेगा। अचानक उसके गांव में सूखा पड़ गया। सभी लोग गांव छोड़ कर जाने लगे। कुम्हार ने भी गांव छोड़ कर दूसरे देश की तरफ निकल गया। वह राजा के दरबार में नौकरी मांगने गया। वहां राजा ने उसके माथे पर चोट का निशान देखा और सोचा, यह जरूर कोई पराक्रमी योद्धा होगा और दुश्मन से लड़ते समय इसके माथे पर चोट लगी होगी। राजा ने उसे अपने दरबार में एक खास जगह दे दी और उस पर विशेष ध्यान देने लगे। यह देख कर राजा के दरबार में मौजूद राजकुमार, सेनापति और अन्य मंत्री उससे जलने लगे। एक दिन शत्रुओं ने राजा के महल पर हमला कर दिया। राजा ने अपनी पूरी सेना को युद्ध के लिए तैयार किया। युधिष्ठिर जब युद्ध भूमि की तरफ जा रहा था तो राजा ने पूछा कि उसके माथे पर यह चोट किस युद्ध में लगी। कुम्हार ने सोचा कि अब वह राजा का भरोसा जीत चुका है और अब अगर वह राजा को सच बता देगा तो कोई समस्या नहीं होगी। उसने राजा ने कहा, राजन, मैं कोई योद्धा नहीं हूं। मैं तो एक साधारण-सा कुम्हार हूं। यह चोट मुझे किसी युद्ध में नहीं, बल्कि शराब पीकर गिरने के कारण लगी थी। यह सुनकर राजा को बहुत गुस्सा आया। उसने कहा, तुमने मेरा विश्वास तोड़ा है तुम मेरे राज्य से निकल जाओ, कुम्हार ने राजा से बहुत मिन्नतें की, उसने कहा कि अगर उसे मौका मिले, तो वह युद्ध में राजा के लिए प्राण भी दे सकता है। राजा ने कहा, तुम चाहे जितने भी वीर और पराक्रमी हो, लेकिन तुम शूरवीरों के कुल से नहीं हो। तुम्हारी हालत शेरों के बीच रहने वाले उस गीदड़ की तरह है, जो हाथी से लड़ने की जगह उससे दूर भागने की बात करता है। मैं तुम्हे जाने दे रहा हूं, लेकिन अगर राजकुमारों को तुम्हारा राज पता चल गया, तो वो तुम्हें मार डालेंगे। इसलिए, कहता हूं कि अपनी जान बचाओ और भाग जाओ। कुम्हार ने राजा की बात मानी और तुरंत उस राज्य को छोड़ कर चला गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर

आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुम्भ

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

बॉर्डर के बाद फिल्म एंटनी की शूटिंग में व्यस्त हैं सनी देओल

बॉर्डर 2' जैसी दमदार फिल्म की सफलता के बाद सनी देओल अगली फिल्म की तैयारियों में लग चुके हैं। वे फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने मुंबई का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वे गोवा में बचे हुए सीन शूट करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ कुछ और खास कलाकार शामिल होंगे।

फिल्म की कहानी गोवा में फैले एक क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सनी देओल एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे, जो इस गैंग को खत्म करने की कोशिश करता है। इसलिए फिल्म के सबसे बड़े एक्शन सीन भी यहीं प्लान किए गए हैं। बॉलीवुड एक्टर सनी देओल 'एंटनी' फिल्म में नजर आने वाले हैं। ये एक एक्शन फिल्म होगी। फिल्म में सनी देओल के साथ ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिसमें विजय वर्मा विलेन का किरदार निभा रहे हैं।

अहम भूमिकाओं में ज्योतिका और विजय वर्मा भी दिखाई देंगे

'एंटनी' खास इसलिए भी है क्योंकि यह पहली बार है जब प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सनी देओल के साथ काम कर रहे हैं। बता दें कि उन्होंने फिल्म के लिए मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है। अब वह अगले शेड्यूल के लिए गोवा जा रहे हैं, जहां वह डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में जबरदस्त एक्शन सीन शूट करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में लगभग एक महीने का लंबा शेड्यूल होगा, जो फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यहां फिल्म के बड़े-बड़े एक्शन सीक्वेंस शूट किए जाएंगे, जो कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

हेरा फेरी 3 में देरी की अफवाहों को खारिज करते हुए परेश रावल ने कहा- जल्द इसकी शूटिंग शुरू करूंगा

फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आई कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म भूत बंगला के प्रमोशन के दौरान फिल्म हेरा फेरी 3 में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा।

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के हेरा फेरी 3 छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें भूत बंगला की बात करें तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। भूत बंगला हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

धड़क की रिलीज के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर ने बॉलीवुड में फिल्म धड़क से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। फिल्म में ईशान खट्टर और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म के साथ ही इसके गाने भी काफी हिट हुए। उनकी पहली फिल्म धड़क उनकी मां श्रीदेवी के निधन के कुछ महीनों बाद ही रिलीज हुई थी। अपने फिल्मी करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए जान्हवी ने कई खुलासे किए और बताया कि वह क्यों डिप्रेशन में चली गई थीं। हाल ही में, जान्हवी ने राज शमानी के पॉडकास्ट में अपनी कई पुरानी यादों को शेयर किया। उन्होंने बताया कि धड़क रिलीज होने के बाद वह बहुत उदास हो गई थीं। उन्हें लगता था कि लोग उनसे नफरत करते हैं और उनका करियर खत्म हो गया है। जान्हवी ने कहा, जब भी लोग धड़क के बारे में बात करते हैं तो वे कहते हैं कि फिल्म अच्छी थी, आपने बहुत पैसे कमाए। लेकिन मेरी यादें बिलकुल अलग हैं। फिल्म के बाद मैं डिप्रेशन में चली गई थी। मुझे लगा कि सब लोग मुझे नापसंद करते हैं। जान्हवी ने आगे बताया, मुझे जीवन में सारा सपोर्ट मेरी मां से मिलता था। जब वो चली गईं तो मैंने सोचा कि अब दर्शकों पर छोड़ देती हूं। मैं चाहती थी कि सब लोग मुझे पसंद करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं सिर्फ नकारात्मक बातों पर ध्यान देती रही। मुझे यह भी एहसास नहीं हुआ कि धड़क बहुत बड़ी हिट फिल्म थी। उस समय तक यह नई अभिनेत्रियों की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। लेकिन मुझे सिर्फ यही लगता था कि मैं बेकार हूं और लोग मुझे पसंद नहीं करते। पहले भी एक और पॉडकास्ट के दौरान जान्हवी ने कहा था कि धड़क और गुंजन सक्सेना के समय उन्हें लगता था कि उन्हें सब कुछ आसानी से मिल गया है क्योंकि उनके माता-पिता बड़े स्टार हैं। उन्हें महसूस होता था कि उनमें क्षमता नहीं है और ये मौके सिर्फ मां-बाप की वजह से मिल रहे हैं। फिर भी उन्होंने कहा कि उन्हें अभिनय से बहुत प्यार है और वह इसी के लिए जीती हैं।

संसद में नहीं बजाई जाती ताली, आखिर क्यों टेबल पीटने का है रिवाज? नहीं जानते होंगे आप

जब भी संसद का सत्र चलता है, टीवी पर आप देखते हैं कि कोई अच्छी बात कहे जाने पर सांसद ताली बजाने की बजाय अपने डेस्क पर जोर-जोर से हाथ मारते हैं। यह आवाज पूरे सदन में गूंजती है। कई लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ एक रिवाज है, लेकिन इसके पीछे एक लंबा इतिहास और नियम है। संसद में ताली बजाना वर्जित है। इसकी जगह डेस्क थंपिंग की परंपरा है। हमने कई बार संसद में डेस्क थम्पिंग करते हुए देखा है। लेकिन ज्यादातर लोग ये जानने की कोशिश नहीं करते कि आखिर इसकी क्या वजह है। अगर आपको भी इसका कारण नहीं पता तो आइये आज हम आपको बताते हैं इसकी असली वजह? भारतीय संसद (लोकसभा और राज्यसभा) की कार्यवाही ब्रिटिश संसद से प्रेरित है। ब्रिटेन में सदन की कार्यवाही के दौरान ताली बजाना सदस्य की बात में व्यवधान माना जाता है। Erskine May नामक संसदीय नियम पुस्तक में स्पष्ट लिखा है कि सदस्य बोलते समय हिजिंग, चैंटिंग, ताली बजाना, बूइंग या कोई अन्य व्यवधान नहीं पैदा कर सकते। भारत ने स्वतंत्रता के बाद अपनी संसद बनाई तो ब्रिटिश संसदीय परंपराओं को अपनाया। लोकसभा और राज्यसभा के नियमों में भी ताली बजाना अनुशासन भंग माना जाता है। अगर कोई सदस्य ताली बजाता है तो स्पीकर या चेयरमैन उसे तुरंत रोक सकता है। सांसद अपनी डेस्क (टेबल) पर हाथ मारकर आवाज करते हैं। यह सहमति, तारीफ या समर्थन जताने का तरीका है। जब कोई अच्छा भाषण देता है, कोई महत्वपूर्ण बिल पास होता है या कोई गेस्ट आता है, तो सदस्य डेस्क थंपिंग करते हैं। यह तरीका शोर मचाए बिना समर्थन दिखाने का औपचारिक और अनुशासित तरीका है। ताली बजाने से ज्यादा यह आवाज नियंत्रित रहती है और सदन की गरिमा बनी रहती है। राज्यसभा के नियमों में भी विदेशी गेस्ट के लिए डेस्क थंपिंग को विशेष रूप से अनुमति दी गई है। यह परंपरा ब्रिटिश संसद से आई है। भारत में 1952 में पहली लोकसभा बनी तब से यह रिवाज चला आ रहा है। स्वतंत्र भारत की संसद ने ब्रिटिश मॉडल को अपनाया ताकि कार्यवाही सुचारू और अनुशासित बनी रहे। कुछ लोग सोचते हैं कि ताली बजाने से शोर ज्यादा होता है और सदस्य की बात बीच में कट सकती है। डेस्क थंपिंग से सदस्य आसानी से अपनी राय जता सकते हैं बिना ज्यादा व्यवधान पैदा किए। इसकी ताली की जगह इसे महत्व दिया जाता है।

अजब-गजब | गजब ही हैं इस जनजाति के लोग

यहां पैदा होने के बाद जुड़वां बच्चों की हो जाए मौत, तो पालने लगते हैं गुड्डे-गुड़िया!

दुनियाभर में कई ऐसी विचित्र परंपराएं हैं, जो हैरान करने वाली हैं। कहीं पर परंपरा के नाम पर महिलाओं की उंगलियां काट दी जाती हैं, तो किसी जनजाति के लोग पेड़ों पर रहते हैं। कहीं पर परंपरा के नाम पर महिलाओं के छाती को दाग दिया जाता है, तो कोई जिंदगी भर नहाता ही नहीं है। लेकिन कई ऐसी परंपराएं भी हैं, जो अजीब होने के साथ-साथ भावुक कर देने वाली भी होती हैं। फॉन जनजाति में जुड़वां बच्चों को साधारण इंसान नहीं, बल्कि ईश्वरीय वरदान और अलौकिक शक्तियों का स्वामी माना जाता है।

यहां मान्यता है कि जुड़वां बच्चों की आत्मा आपस में जुड़ी होती है। यदि जन्म के बाद इनमें से किसी एक की या दोनों की मौत हो जाए, तो परिवार उसे अंत नहीं मानता। इसके बजाय, वे इसे एक अस्थायी विदाई मानते हैं और कहते हैं कि बच्चा 'जंगल में लकड़ी बीनने गया है।' इस खालीपन को भरने के लिए होहोवी नाम की लकड़ी के डॉल्स बनवाए जाते हैं, जिन्हें उन मृत बच्चों का साक्षात रूप माना जाता है। यह कोई साधारण गुड्डे-गुड़िया नहीं होते, बल्कि इन्हें परिवार का एक जीवित सदस्य माना जाता है। फॉन जनजाति के लोग इन मूर्तियों की परवरिश ठीक वैसे ही करते हैं जैसे वे अपने जीवित बच्चों की करते हैं। हर सुबह इन पुतलों को बड़े प्यार से नहलाया जाता है, उन्हें साफ और सुंदर कपड़े पहनाए जाते हैं।

भोजन के समय, उनके सामने छोटी थालियां सजाई जाती हैं और उन्हें प्रतीकात्मक रूप से खाना खिलाया जाता है। अक्सर इन पुतलों को कोका-कोला या चीनी भी दी जाती है, क्योंकि माना जाता है कि जुड़वां बच्चों को मीठी चीजें बहुत प्रिय होती हैं। हैरानी की बात यह है कि ये लोग इन डॉल्स को हर रोज स्कूल भी पढ़ने के लिए भेजते हैं। माता-पिता जब भी कहीं बाहर जाते हैं, वे इन मूर्तियों को अपनी कमर से बांधकर या शर्ट के भीतर रखकर साथ ले जाते हैं, ताकि बच्चा अकेला महसूस न करे। रात को उन्हें मखमल के छोटे बिस्तरों पर लिटाया जाता है और लोरी सुनाकर सुलाया जाता है। मान्यता है कि यदि इन पुतलों की सेवा में कोई कमी रह गई, तो मृत बच्चे की आत्मा नाराज हो सकती है और परिवार पर संकट आ सकता है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बेनिन और उसके पड़ोसी देशों में जुड़वां बच्चों के जन्म की दर दुनिया में सबसे ज्यादा है, लेकिन वहां शिशु मृत्यु दर भी काफी अधिक रही है। ऐसे में यह होहोवी परंपरा उन माता-पिता के लिए एक मानसिक सहारे की तरह काम करती है, जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया है। इस प्रक्रिया के जरिए वे अपने दुख से बाहर निकल पाते हैं और उन्हें महसूस होता है कि उनका बच्चा आज भी उनके आसपास खेल रहा है। वूडू धर्म को मानने वाली इस जनजाति के लिए ये बच्चे अमर हैं। वे मानते हैं कि ये बच्चे मरने के बाद भी अपने परिवार की रक्षा करते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। समय बीतने के साथ ये लकड़ी के पुतले बार-बार नहलाने और रगड़ने की वजह से घिस जाते हैं और उनके चेहरे के निशान तक मिट जाते हैं, लेकिन परिवार की श्रद्धा और प्यार कभी कम नहीं होता।

अहंकारी हैं मोदी व सीएम विजयन : राहुल

विजयन और उनके परिवार की जांच क्यों नहीं की गई

» नेता प्रतिपक्ष बोले - दोनों सोचते हैं कि उनके अलावा कोई और नेतृत्व नहीं कर सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल की चुनावी रैली में राहुल गांधी ने पीएम मोदी और मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पर जोरदार प्रहार किया है। नेता प्रतिपक्ष ने दोनों नेताओं में गुप्त राजनीतिक साझेदारी का आरोप लगाया, दावा किया कि दोनों सोचते हैं कि उनके अलावा कोई और नेतृत्व नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करके केरल के मुख्यमंत्री के कथित भ्रष्टाचार की जांच क्यों नहीं करती, जो उनकी मिलीभगत को दर्शाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पलक्कड़ में एक रैली के दौरान केरल विधानसभा चुनाव से पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राजनीतिक गठबंधन का आरोप लगाया।

मैं भाजपा के खिलाफ लड़ रहा हूं

समर्थकों को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि दिल्ली में एक ऐसा व्यक्ति है जो सोचता है कि भारत का नेतृत्व उसके सिवा कोई नहीं कर सकता, उसका नाम मोदी है, और केरल में एक ऐसा व्यक्ति है जो सोचता है कि केरल का नेतृत्व उसके सिवा कोई नहीं कर सकता। इन लोगों का अहंकार देखिए कि वे सोचते हैं कि केरल और देश का नेतृत्व केवल वही कर सकते हैं। दोनों साझेदार हैं। वे एक-दूसरे का समर्थन कर रहे हैंज प्रधानमंत्री मोदी यहां आते हैं और हर भाषण में भगवान, हिंदू धर्म और धर्म की बात करते हैं। लेकिन केरल में वे सबरीमाला और वहां से चोरी हुए सोने की बात नहीं करते। गांधी ने आगे दावा किया कि वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और भाजपा के मीडिया सेल के मुख्य निशाने पर हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं भाजपा के खिलाफ लड़ता हूं। मैंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्रा की। प्रवर्तन निदेशालय ने मुझसे 55 घंटे तक पूछताछ की। मैं जमानत पर बाहर हूं। मेरी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। मैं प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और भाजपा के मीडिया सेल का मुख्य निशाना हूं। उन्होंने सवाल उठाया कि पिनारयी विजयन और उनके परिवार की जांच क्यों नहीं की गई। गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा केरल के मुख्यमंत्री पर हमला क्यों नहीं करती? उनसे और उनके परिवार से पूछताछ क्यों नहीं की जाती? सभी जानते हैं कि केरल के मुख्यमंत्री भ्रष्ट हैं। प्रधानमंत्री मोदी यहां आते हैं और सबरीमाला मंदिर या सोने की चोरी के बारे में बात नहीं करते क्योंकि वे मुख्यमंत्री को बचाना चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने केरल में चलाए गए एक विज्ञापन अभियान का भी जिक्र किया, जिसमें मुख्यमंत्री की तस्वीर के साथ और कौन टैगलाइन छपी थी। उन्होंने कहा कि इससे यह संकेत मिलता है कि राज्य का प्रभावी नेतृत्व कोई और नहीं कर सकता।

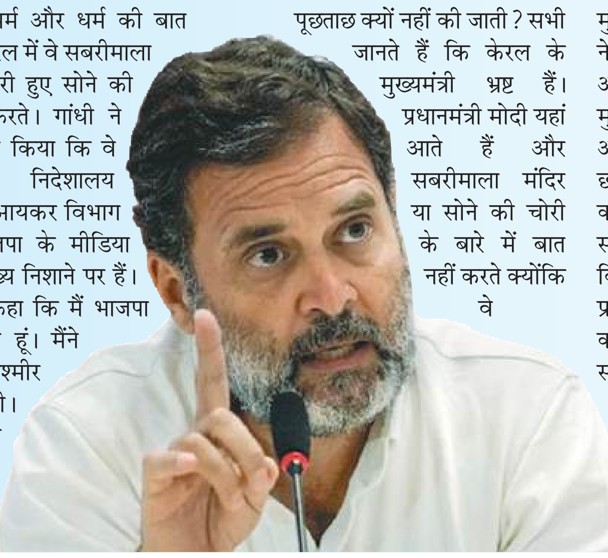

ट्रंप मोदी को नियंत्रित करते हैं, और मोदी केरल के सीएम को

भाजपा के साथ अपने संघर्षों के दौरान केरल की प्रतिक्रिया के बारे में गांधी ने कहा कि जब भाजपा मुझ पर प्रतिदिन हमले कर रही थी, तब केरल मेरे साथ खड़ा रहा। यूडीएफ और एलडीएफ दोनों के लोगों ने मेरी देखभाल की। जब मुझे सुरक्षा की जरूरत थी, तब पूरे केरल ने मेरी रक्षा की। उन्होंने एलडीएफ पर केरल में एक नया अभियान शुरू करने का आरोप लगाया, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री को भाजपा के साथ जोड़ा जा रहा था। उन्होंने कहा कि आज केरल में एलडीएफ द्वारा एक नया अभियान शुरू किया गया है। भाजपा के प्रति आपके मुख्यमंत्री का रवैया वही है जो आप कहते हैं कि मैं करूंगा। डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को नियंत्रित करते हैं, और नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को नियंत्रित करते हैं।

केरल का युवा पलायन को मजबूर : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केरल में शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे को उठाया और कहा कि योग्यता होने के बावजूद कई युवा राज्य से बाहर नौकरी तलाशने के लिए मजबूर हैं। पेरावूर में जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं पिछले एक साल से वायनाड की सांसद हूं और मैं आप लोगों की समस्याओं और संघर्षों को करीब से देखती हूं। मैं देख सकती हूं कि आप सभी ने अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए बहुत संघर्ष और मेहनत की है। प्रियंका गांधी ने कहा कि जिन लोगों से मेरी मुलाकात होती है, वे काफी पढ़े-लिखे हैं। केरल में जब मैं पढ़े-लिखे युवाओं से मिलती हूं, तो अक्सर उनके पास नौकरी नहीं होती, और अगर होती भी है, तो वह राज्य से बाहर होती है।

राजस्थान के खिलाफ मैच में खेलेंगे हार्दिक पांड्या

» मुंबई के कप्तान हुए स्वस्थ्य, मुकाबला आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। आईपीएल में आज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं और राजस्थान के खिलाफ प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने बताया, पांड्या मंगलवार को होने वाले मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह चोटिल नहीं थे, बल्कि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। वह अब पूरी तरह से फिट और स्वस्थ हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस को हार्दिक की कमी गेंदबाजी में साफतौर पर खली थी। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 में अब तक कुल दो मुकाबले खेले हैं। पहले मैच में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया था। वहीं, दूसरे मुकाबले में मुंबई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। दिल्ली के खिलाफ रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव को छोड़कर टीम के अन्य बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे। वहीं राजस्थान की टीम इस सीजन बेहद मजबूत नजर आ रही है। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी टीम को मजबूत शुरुआत दिला रही है, जबकि ध्रूव जुरेल भी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। कप्तान रियान पराग ने अभी तक बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्वकौशल से आत्मविश्वास मिलेगा। गेंदबाजों में तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। बिश्नोई ने दो मैचों में पांच विकेट लिए हैं। वहीं, देशपांडे ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए डेथ ओवरों के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया था।

आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में सैमसन और बुमराह शामिल

दुबई। भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था जिसके दम पर इन्हें नामित खिलाड़ियों में जगह मिली है। इन दोनों के अलावा न्यूजीलैंड सीरीज से टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू करने वाले दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन भी नामित खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्वकप के आखिरी कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन करके प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे संजू को बुमराह के साथ नामांकन में जगह मिली है। बुमराह फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द मैच थे। सैमसन शुरुआती मैचों से बाहर रहे लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल की तरह रहे मैच में नाबाद 97 रन बनाए और इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में सेमीफाइनल के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन की पारी खेली।

केजरीवाल की अर्जी पर सीबीआई को नोटिस जारी

» 13 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया, जिसमें आबकारी नीति मामले में न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने कहा कि अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायालय ने कहा कि न्यायालय ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने के आवेदन को रिकॉर्ड में ले लिया है। इस आवेदन की अग्रिम सूचना दूसरे पक्ष को मिल चुकी है। वे कल तक अपना जवाब दाखिल करें।

न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय ने इससे पहले केजरीवाल के उस अनुरोध को खारिज कर दिया था जिसमें

सीबीआई की याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता की अदालत से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा था कि इस मामले से खुद को अलग करने का निर्णय संबंधित न्यायाधीश को लेना होगा। केजरीवाल के साथ-साथ मनीष सिसोदिया और आबकारी नीति मामले में अन्य आरोपियों ने 11 मार्च को दिए गए एक अभ्यावेदन में दावा किया कि इस बात की 'गंभीर, वास्तविक और उचित आशंका' है कि न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष मामले की सुनवाई निष्पक्ष और तटस्थ नहीं होगी।

हरियाणा की मंडियों में हालात बेहद खराब : दीपेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और अनाज दोनों का अपमान कर रही है। मंडियों में बायोमीट्रिक, ट्रैक्टर वेरिफिकेशन और 3 गारंटर जैसे नियम किसानों को राहत देने के बजाय उन्हें परेशान करने के लिए बनाए गए हैं। हुड्डा ने कहा कि मंडियों में हालात बेहद खराब हैं। न बारदाना है, न तिरपाल, न मजदूर और न ही सही इंतजाम।

किसान अपनी फसल लेकर पहुंच रहे हैं लेकिन उठान न होने से गेहूं मंडियों में ही पड़ा है और भुगतान भी अटका हुआ है। उन्होंने मांग की कि बायोमीट्रिक सिस्टम बंद किया जाए और ट्रैक्टर-ट्राली पर नंबर प्लेट की अनिवार्यता खत्म हो। साथ ही गेहूं की नमी की सीमा 14 फीसदी तय की जाए और बारिश से खराब हुई फसल खासकर काले दाने वाली गेहूं की खरीद में छूट दी जाए। कहा कि अगर स्थिति न बदली तो गेहूं खरीद में महीनों लग जाएंगे।

मणिपुर में फिर धमाका, दो मासूमों की गई जान

» पूरे इलाके में भारी तनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर को निशाना बनाकर बम से हमला किया। इस हमले में दो मासूम बच्चों की जान चली गई और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हमला मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में रात करीब एक बजे हुआ। उस समय परिवार अपने कमरे में सो रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि पांच साल के मासूम लड़के और महज छह महीने की बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इस घटना से इलाके में भारी तनाव

फैल गया है। स्थानीय लोगों ने सुबह से ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए एक पेट्रोल पंप के पास खड़े दो तेल टैंकरों और एक ट्रक में आग लगा दी। भीड़ ने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाकर रास्ता जाम किया और पुलिस की एक अस्थायी चौकी को भी नुकसान पहुंचाया। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने पास के ही एक इलाके से एक और विस्फोटक बरामद किया है।

आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा : सीएम

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे एक बर्बर कृत्य और मानवता पर सीधा हमला करार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मणिपुर में बड़ी मुश्किल से कायम हुई शांति को बिगाड़ने की एक कोशिश है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि इस अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उन्हें कानून के तहत सख्त सजा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आतंक के ऐसे कृत्यों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और शांति भंग करने वालों के खिलाफ खड़े होने की अपील की।

लखनऊ की आडियंस ने भी अपनी अदाओं से चार चांद लगाए

4 पीएम कन्सर्ट की सुरमयी और भीगी शाम में शामिल हुए मेहमान

स्वानंद किरकिरे की मखमली आवाज के हमसफर बने श्रोता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4 पीएम कन्सर्ट की सुरमयी और भीगी शाम में शामिल हुए लखनऊ के नामचीन लोगों ने भी अपनी अदाओं से चारचांद लगा दिये। स्वानंद किरकिरे की मखमली आवाज में जब उनकी गीतों ने महफिल में रस घोला तो इस कार्यक्रम के मेहमानों ने उनको दाद देने में कंजूसी नहीं की। ओरी चिड़ैया.. होठों को घुमा के गोल.. हो या फिर बहता हुआ सा था वो.. हर एक नज्म व गीत के साथ दयाल बाग में आए मेहमानों ने भी स्वानंद का साथ दिया। सबसे बड़ी बात शनिवार की वह खूबसूरत शाम में बारिश हो रही थी, बिजली कड़क रही थी पर लोग डर नहीं रहे थे वे बेधड़क होकर गुनगुना रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे बारिश खुद महफिल सजाने आई थी। लखनऊ के प्यारी ऑडियंस ने भी बारिश की शिकायत नहीं की उसका स्वागत किया।

बर्षा के बीच अलग ही नजारा देखने को मिल रहा था। भीगी कुर्सियां हल्की ठंडी हवा और उन सबके बीच बैठे लोग कोई छाता थामे, कोई बूंदों को अपने चेहरे पर गिरने देता हुआ हर कोई इस नजारे को अपने तरीके से जी रहा था। कोई भी उठकर जाने को तैयार नहीं था क्योंकि उस रात का हर पल जैसे एक नई इबारत लिख रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे नेचर खुद इस महफिल की मेजबान बन गई हो। बारिश ने सिर्फ ज़मीन को नहीं भिगोया उसने दिलों को भी सराबोर

किया। उसने यह साबित कर दिया कि जब संगीत दिल को छूता है तो कोई भी मुश्किल, मुश्किल न रहकर हमसफर बन जाती है। स्वानंद किरकिरे की आवाज़ ने महफिल को रूह दी तो मौसम ने उसे और रंगीन और हसीन बना दिया। ये सुरों की शाम लखनऊ लंबे समय तक अपने जहन में संभाल कर रखेगा।

अमेरिका-इजरायल और ईरान की लड़ाई और खतरनाक मोड़ पर

- इजरायल व अमेरिका ने दी धमकी, ईरान का पलटवार जारी
- इजरायल ने ईरानियों को दी वॉर्निंग- ट्रेन की यात्रा न करें
- मोजतबा खामेनेई बेहोश सर्वोच्च नेता का इलाज
- ईरान की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक टिप्पणी नही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अल्बोर्ज प्रांत में 18 की मौत, एयरपोर्ट-रिहायशी इलाकों पर हमले

अमेरिका-इस्राइल ने मंगलवार को ईरान पर किए गए हमलों में खोर्रमाबाद हवाई अड्डे को निशाना बनाया है। वहीं, ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच इस्राइल ने ईरानियों को चेतावनी जारी करते हुए ट्रेनों और रेलवे लाइनों से बचने को कहा है। इस्राइल ने फारसी भाषा में जारी किए गए संदेश में कहा कि ऐसे करने पर उनके जीवन को खतरा हो सकता है। वहीं, ईरान के अल्बोर्ज प्रांत पर अमेरिकी-इस्राइली हमले में मारे गए 18 लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। ईरानी रेड क्रिसेंट संगठन ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान को 17 रिहायशी इलाकों पर बमबारी की है। एक्स पर किए गए पोस्ट में संगठन ने कहा, नागरिकों पर हमला करने का कोई औचित्य नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि निहत्थे नागरिकों पर हमला करना युद्ध अपराध है। वहीं, ईरानी मीडिया ने बताया कि देश में रात भर चले अमेरिकी-इस्राइली हमलों में 15 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान की लड़ाई और खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। ट्रंप ने ईरान को बुधवार सुबह तक तबाह करने की धमकी दी है, इस बीच इजरायल ने ईरानी नागरिकों से

ट्रेन की यात्रा न करने की वॉर्निंग दी है। उधर ऐसी भी खबरें आ रही है कि अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई अचेत अवस्था में है।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच छिड़ा युद्ध पांचवें हफ्ते में प्रवेश कर चुका है। इसके बावजूद दोनों पक्षों की ओर से कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले ही समझौता न करने पर ईरान को भीषण हमलों का अल्टीमेटम दिया है। वहीं, ईरान ने हमले रुकने तक किसी भी तरह के समझौते से इनकार कर दिया है। दरअसल, इजरायल की सेना ने ईरानियों को बताया है कि ट्रेनों में और रेलवे ट्रैक के पास उनकी उपस्थिति उनके जीवन को खतरे में डाल सकती है। इजरायली सेना ने फारसी भाषा में ईरानियों को चेतावनी देते हुए लिखा आपकी सुरक्षा के लिए, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप अब से लेकर ईरान के समयानुसार रात 9 बजे तक पूरे देश में ट्रेनों का उपयोग करने या ट्रेन से यात्रा करने से बचें। गौरतलब है कि अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर पहला हमला 28 फरवरी 2026 को किया गया। जिसके बाद से ईरान भी लगातार इजरायल पर, अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर और खाड़ी देशों पर मिसाइल से हमले कर रहा है।

कोम शहर में इलाज करवा रहे हैं मोजतबा

ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं। एक खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि मोजतबा खामेनेई वर्तमान में कोम शहर में इलाज करवा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई अचेत अवस्था में हैं और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। माना जा रहा है कि इसी वजह से मोजतबा किसी भी निर्णय प्रक्रिया में हिस्सा लेने में असमर्थ हैं। द टाइम्स यूके की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कूटनीतिक मेमो अमेरिकी और इस्राइली खुफिया एजेंसियों द्वारा खाड़ी सहयोगियों के साथ साझा की गई जानकारी पर आधारित है। इस रिपोर्ट में पहली बार सर्वोच्च नेता के ठिकाने का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई का कोम शहर में इलाज चल रहा है और इस वजह से वे शासन के किसी भी निर्णय में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़ने के बाद से मोतबा खामेनेई ने कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। उनके नाम से जारी किए गए संदेशों का प्रसारण ईरानी सरकारी मीडिया द्वारा किया जा रहा है। इसकी वजह से मोजतबा के गंभीर रूप से घायल होने की खबरों को और बल मिला है। ईरानी अधिकारियों ने बयान जारी कर कहा कि देश की कमान नए सर्वोच्च नेता के हाथ में है। इसके बावजूद कई अमेरिकी रिपोर्टों में खामेनेई की सेहत पर सवाल खड़े किए हैं। किसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोजतबा कोमा में हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं, द सन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हमलों में खामेनेई ने एक हाथ और एक पैर खो दिया है।

ट्रंप ने दी तबाही मचाने की चेतावनी

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को मंगलवार आठ बजे (ईस्टर्न टाइम) तक एक समझौता करने का अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि इस समय सीमा के बाद कोई पुल और कोई बिजली संयंत्र नहीं बचेगा।

ट्रंप ने माना ईरान बहुत शक्तिशाली स्थिति में था

ट्रंप ने स्वीकार किया कि संघर्ष 28 फरवरी को शुरू होने पर ईरान बहुत शक्तिशाली स्थिति में था, लेकिन अब अमेरिका ने उसके सिर को काट दिया है। उन्होंने कहा कि ये कदम 47 साल पहले ही उठाए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ठीक चल रहा है, लेकिन हमें देखना होगा। आपको यह समझना होगा, हम इन लोगों के साथ 47 साल से निपट रहे हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा